वन भूमि का राज्यवार ब्यौरा

210. **श्री अजीत जोगी:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपया करेंगे कि:

(क) देश में वनों के अंतर्गत आने वाली भूमि का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) सातवीं और आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में वन-भूमि क्षेत्र का राज्यवार प्रतिशत कितना था;

(ग) इसमें कमी आने के क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार ने इस संबंध में क्या कदम उठाए हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) देश में वन भूमि के राज्यवार ब्यौरे इस प्रकार हैं:—

क्रम सं०	राज्य	रिकार्ड वन क्षेत्र (वर्ग कि०मी०)
1.	आन्ध्र प्रदेश	63,726
2.	अरूणाचल प्रदेश	51,540
3.	असम	30,708
4.	बिहार	29,226
5.	गोवा (दमन एवं दीव सहित)	1,256
6.	गुजरात	19,388
7.	हरियाणा	1,687
8.	हिमाचल प्रदेश	37,591
9.	जम्मू व कश्मीर	20,174
10.	कर्नाटक	38,646
11.	केरल	11,222
12.	मध्य प्रदेश	1,55,414
13.	महाराष्ट्र	63,861
14.	मणिपुर	15,154
15.	मेघालय	9,496
16.	मिजोरम	15,935
17.	नागालैण्ड	8,625
18.	उड़ीसा	59,555
19.	पंजाब	2,842
20.	राजस्थान	31,559
21.	सिक्किम	2,650
22.	तमिलनाडु	22,699
23.	त्रिपुरा	6,292
24.	उत्तर प्रदेश	51,502
25.	पश्चिम बंगाल	11,879
26.	अंडमान और निकोबार	7,171
27.	चंडीगढ़	311
28.	दादर और नागर हवेली	207
29.	दिल्ली	42
30.	लक्षद्वीप	—
31.	पांडिचेरी	—
	कुल:	7,70,078

(ख) सातवीं और आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ में वन आवरण की राज्य वार प्रतिशतता देश के वन आवरण के प्रथम और तीसरे मूल्यांकनों में प्रतिविम्बित किए गए हैं जो वर्ष 1981-83 और 1987-89 की अवधियों से सम्बन्धित उपग्रह प्रतिविम्बिती के दृश्य विवेचन पर आधारित है:—

क्र०सं०	राज्य	वन आवरण की प्रतिशतता 1981-83	1987-89
1	2	3	4
1.	आन्ध्र प्रदेश	18.13	17.2
2.	अरूणाचल प्रदेश	72.39	82.1
3.	असम	33.60	31.6
4.	बिहार	16.53	15.3
5.	गोवा	34.75	33.8
6.	गुजरात	6.9	6.1
7.	हरियाणा	1.46	1.2
8.	हिमाचल प्रदेश	23.14	21.2
9.	जम्मू व कश्मीर	9.40	9.0

1	2	3	4
10.	कर्नाटक	16.82	16.8
11.	केरल	26.76	26.5
12.	मय प्रदेश	28.84	30.6
13.	महाराष्ट्र	15.41	14.3
14.	मणिपुर	79.06	79.2
15.	मेघालय	73.41	70.8
16.	मिजोरम	90.53	89.4
17.	नागालैण्ड	86.82	86.4
18.	उड़ीसा	31.13	30.3
19.	पंजाब	1.52	2.7
20.	राजस्थान	3.6	3.7
21.	सिक्किम	39.63	42.8
22.	तमिलनाडु	14.13	13.6
23.	त्रिपुरा	54.80	52.8
24.	उत्तर प्रदेश	10.68	11.4
25.	पश्चिम बंगाल	10.03	9.0
26.	अंडमान और निकोबार	91.71	92.4
27.	चंडीगढ़	1.75	4.4
28.	दादर और नागर हवेली	48.37	42.0
29.	दमन और द्वीव	—	1.8
30.	दिल्ली	1.01	1.5
31.	लक्षद्वीप	—	—
32.	पांडिचेरी	—	—
		19.53	19.44

(ग) वन आवरण में कमी के मुख्य कारण वनेतर प्रयोजनों के लिए वन भूमि का बंटन, बढ़ती हुई पशु और मानव आबादी के कारण अत्यधिक जैवीय दबाव, झूम खेती आदि हैं।

(घ) सरकार वन आवरण में वृद्धि करने के उद्देश्य से व्यापक वनरोपण कार्यक्रमों पर बल देती रही है जिनमें जनता की भागीदारी से अवक्रमित वनों का पुनरूद्धार, सामाजिक और फार्म वानिकी, सुरक्षा गतिविधियों में वृद्धि करना शामिल हैं। इन प्रयासों के परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। वास्तव में, वर्ष 1985-87 से 1987-89 की अवधि के दौरान देश के वन आवरण में कुल 560 वर्ग कि०मी० की वृद्धि हुई है। यह प्रतिवर्ष 2800 हेक्टेयर वार्षिक वृद्धि दर्शाता है।

Pollution Free River Water Scheme

211. SHRI SUNDER SINGH BHANDARI:
SHRI O. RAJAGOPAL:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have included the area of Chambal river from Kota Barrage to Keshavrao Patam under pollution free river water scheme; and

(b) if so, what are the salient features of the scheme?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) Government of Rajasthan has been requested to carry out survey and studies to formulate schemes for abatement of pollution of river Chambal from Kota upstream to Keshavrao Patam, for inclusion in the National River-Action Plan. No proposal has been received from the State Government so far.

गंगा कार्य योजना

212. **चौधरी हरमोहन सिंह:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गंगा कार्य योजना के अधीन 261 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं;

(ख) यदि हां, तो इन योजनाओं के नाम क्या-क्या हैं; और

(ग) पूरी न हुई योजनाओं के सम्बन्ध में कार्य में योजनावार कितनी प्रगति हुई है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) जी, हां।

(ख) गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत स्वीकृत स्कीमों के नाम परिशिष्ट में दिए गए हैं। [**देखिए** परिशिष्ट 170, अनुपत्र संख्या]

(ग) दिनांक 1 जनवरी, 1994 तक चल रही स्कीमों के संबंध में निर्माण कार्यों की योजनावार प्रगति संलग्न विवरण में दी गई हैं अन्य स्कीमें पूरी कर ली गई हैं।